असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

29 मार्च, 2017

अध्यक्ष: मान लीजिये 20 परसेंट है लेकिन उनका कहना है कि अब जितना में पानी है उसका डेप्थ एरिया भी न होता है, कितना डीप में है, उसका जल निकासी संभव नहीं है इसलिए उसमें वाटर बडी के जो विकास के लिए कार्यक्रम होते हैं वह चलाने होंगे । जल निकासी संभव नहीं है । यह माननीय मंत्री जी ने बतलाया ।

श्री राज कुमार राय: तो वह भी कराने का माननीय मंत्री जी विचार रखते है ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2764(श्री अत्री मुन्नी उर्फ शक्ति सिंह यादव)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री: महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि नालंदा जिला के इस्लामपुर प्रखंड अन्तर्गत तेतरिया ग्राम के पास मोहाने नदी से नोनाई नदी मिश्रित होती है एवं अंतत: धुंआ नदी में मिल जाती है । यह बरसाती नदी है कलिया चक करियामा पुल तक नदी में आंशिक रूप से गाद जमा है । मुख्य अभियंता, पटना को विभागीय पत्रांक 1419 दिनांक 27-3-17 से स्थल के सर्वेक्षणोपरांत तकनीकी संभाव्यता की जांच हेतु निर्देशित किया गया है ।

श्री अत्री मुन्नी उर्फ शक्ति सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से स्पष्ट किया है कि कलिया चूंकि पंचमुहा से निकलकर के आती है और बरसाती नदी है तो कलिया चक से करियांमा तक जाने वाली वह लगभग चार कि.मी. का रेडियश का वह है और गाद भर जाने के कारण बरसाती नदी जब आता है तो धान के फसल के समय पानी खेतों तक नहीं पहुंचता है तो तकनीकी जांच के संदर्भ माननीय मंत्री जी ने विभाग के मुख्य अभियंता को कहा है तो हमारा सवाल है बरसात के पहले इस कार्यक्रम को कराने का विचार रखते हैं माननीय मंत्री जी ।

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री: महोदय, इसलिए तो मैंने कहा कि उसकी जांच करेंगे कि कितना गाद जमा है, उसका डी0पी0आर0 बनायेंगे, उसके बाद ही न उस पर आगे की कार्रवाई होगी ।

तारांकित प्रश्न संख्या-2765(श्री राम सेवक सिंह)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री: आंशिक रूप से स्वीकारात्मक हैं । गोपालगंज जिला के हथुआ विधान-सभा क्षेत्रान्तर्गत प्रखंड फुलवरिया के ग्राम पंचायत राज गिधा में मीरगंज बागीपट्टी समौर पथ के 21 वें कि.मी. में जल संसाधन विभाग द्वारा गंडक वितरणी नहर पर निर्मित पुल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है । पुल की चौड़ाई मात्र 4.20 मीटर है । पुल संकीर्ण रहने के कारण वाहनों के ठोकर लगने से पैरापेट वाल भी क्षतिग्रस्त हो गया है । यह पुल जल संसाधन विभाग द्वार नहर पर निर्मित है और पुल के ऊपर से वाहनों का आवागमन चालू है । (क्रमश:)

टर्न-3/मधुप/29.03.2017

...क्रमशः ....

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : इस पुल का रख-रखाव पूर्व से जल संसाधन विभाग द्वारा ही किया जाता था, परन्तु क्षतिग्रस्त पैरापेट वॉल की मरम्मति अद्यतन करने की कार्रवाई नहीं की गई ।

कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, गोपालगंज को निर्देशित किया गया है कि जल संसाधन विभाग के स्थानीय कार्यपालक अभियंता को सूचना देते हुये सुरक्षा के दृष्टिकोण से क्षतिग्रस्त पैरापेट वॉल की मरम्मति तत्काल करा दें । इस स्थल पर एक 10 मीटर लम्बाई में और 10 मीटर चौड़ी पुल बनाने की आवश्यकता है । जल संसाधन विभाग से अनापत्ति प्राप्त कर अगले वित्तीय वर्ष में इस स्थल पर पुल का निर्माण करवाया जायेगा ।

श्री रामसेवक सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस पुल को क्षतिग्रस्त होने से सैकड़ों बार दुर्घटनाएँ घटी हैं और दर्जनों लोगों की वहाँ मृत्यु हो चुकी है । हम आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहते हैं कि क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कबतक कराना चाहते हैं ?

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, क्योंकि इरीगेशन डिपार्टमेंट से ही इसको देखा जाता है, हमारे अभियंता ने इरीगेशन डिपार्टमेंट के अभियंता को भेजा है कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से इसका तबतक मरम्मति करा दिया जाय ।

इसके बगल में ही 10 मीटर चौड़ा और 10 मीटर लम्बा एक पुल के निर्माण की बात है, अनापत्ति प्राप्त होते ही नया पुल का भी निर्माण कराया जायेगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2766 (श्रीमती सावित्री देवी)

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न संख्या-2766 में जो प्रश्न किया गया है, सामुदायिक भवन निर्माण की योजना कोई ग्रामीण विकास विभाग में नहीं है । ग्रामीण विकास विभाग सामुदायिक भवन की योजना नहीं चलाती है । मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना में माननीय सदस्या अनुशंसा करेंगी तो सामुदायिक भवन का निर्माण और यात्री शेड का भी निर्माण उनके अनुशंसा से किया जा सकता है ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 2767 (श्री सदानन्द सिंह)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मंत्री : महोदय, स्वीकारात्मक है । बाँका जिला के ग्राम बरौनी स्थित कतरिया नदी पर निर्मित छिटका पर डेटम वॉल को बरकरार रखने या तोड़ने पर स्थानीय विवाद है तथा पूर्व के वर्षों में इस विवादित संरचना को तोड़ने हेतु कार्रवाई की गई है जो असफल रहा है ।